मल्टीपल स्कलेरोसिस

मल्टीपल स्कलेरोसिस रोग मे मज्जातंतू संस्थापर सूजन होती है एवं दर्द होता है ।

- इसमे दिमाग भेजा पीठ का हिस्सा एवं मज्जातंतू हिस्से का समावेश होता है।
- इसमे शरीर की रोगप्रतिकारक शक्ती के मज्जातंतू पर हमला कर उसके संरक्षण आवरण को नष्ट करती है।

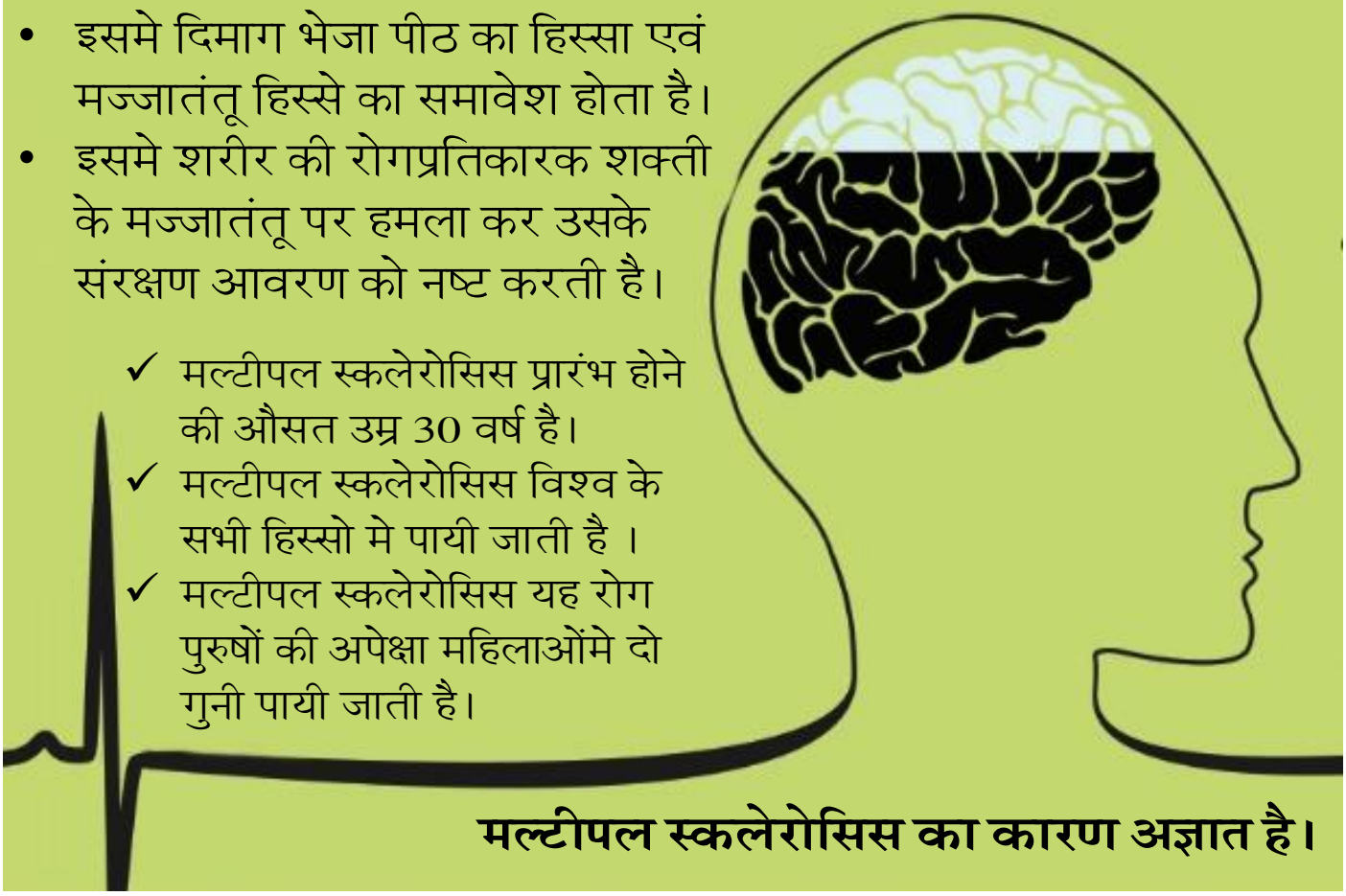

- ✓ मल्टीपल स्कलेरोसिस प्रारंभ होने की औसत उम्र 30 वर्ष है।
- ✓ मल्टीपल स्कलेरोसिस विश्व के सभी हिस्सो मे पायी जाती है ।
- ✓ मल्टीपल स्कलेरोसिस यह रोग पुरुषों की अपेक्षा महिलाओंमे दो गुनी पायी जाती है।

मल्टीपल स्कलेरोसिस का कारण अज्ञात है।

मल्टीपल स्कलेरोसिस की कोई विशेष जाँच पध्दती नही है। चिकित्सकीय इतिहास, परीक्षण एवं भेजे दिमागी की एमआरआय की प्रतिमा की सहयोग से ही मल्टीपल स्कलेरोसिस रोग का ईलाज करने मे मदत होती है।

रोग के लक्षण

थकावट, कमजोरी, चेहरा शरीर हांत पाव निस्तब्ध होना चक्कर आना धुंधलापन चलने मे आंतडिंयो एवं मूत्राशय की समस्या लैंगिक समस्या

मल्टीपल स्कलेरोसिस का कोई इलाज नही केवल सर्व व्यवस्थापन यही एक पर्याय है।

- **विश्राम करे**
- **नियमित व्यायाम करे**
- **उष्णता मे बाहर ना निकले**
- **संतुलित आहार ले**
- **योगासन के माध्यम से तनाव कम करे**
- **समय पर दवा ले निर्देशो पर ध्यान दे**

30 मई जागतिक मल्टीपल स्कलेरोसिस दिन

The theme is Visibility and the campaign is called My Invisible MS

Reference: Micromedex२s Care Notes System Online 2.0